**एन.आई.ओ.एस/शैक्षिक/2021/222/09/हिंदी**

# राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

## उच्चतर माध्यमिक

## अध्याय - 09

## विकास की की प्रकृति और इसके निर्धारक

## कार्यपत्रक - 09

1. विकास एक दिन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। उदाहरण देते हुए विकास की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
2. "विकास" शब्द का प्रयोग अक्सर "वृद्धि" और "परिपक्वता" के स्थान पर किया जाता है। लेकिन वे एक दूसरे से अलग हैं। विकास, वृद्धि और परिपक्वता में अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. विकास में कुछ विशिष्ट विशेषताएं होती हैं जो इसे दूसरों से अलग करती हैं। विकास की विशिष्ट विशेषताओं की एक सूची तैयार कीजिए।
4. एक 3-4 साल के बच्चे का निरीक्षण कीजिए (उनके अभिभावक की सहमति से) और उनके विकास के विभिन्न क्षेत्रों (यानी, शारीरिक और गतिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास) का वर्णन करते हुए एक अवलोकन रिपोर्ट लिखिए।
5. विकास जीवन के सभी चरणों में होता है। जीवन काल में विकास की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।
6. विकास के पश्चिमी दृष्टिकोण की तुलना आश्रम के भारतीय मॉडल से करते हुए एक रिपोर्ट लिखिए।
7. विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जो विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। विकास को प्रभावित करने वाले आनुवंशिक कारकों को पहचानें और समझाएं।
8. पेज नं 107 पर ग्राफ देखें। यह एकयुग्मजि और द्वियुग्मजि जुड़वा के बीच अंतर को दर्शाता है। ग्राफ का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए और इसके बारे में अपनी समझ स्पष्ट कीजिए।

9. पारिस्थितिक संकेंद्रित वृत्त प्रणाली  का प्रयोग करते हुए स्पष्ट करें कि पर्यावरण किसी व्यक्ति के विकास को कैसे प्रभावित करता है।

10. वर्णन करें कि विकास के सिद्धांतों और निर्धारकों की समझ हमें कैसे मदद करती है।